अंक-योजना

अत्यंत गोपनीय

(केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)

वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र पूरक परीक्षा, **2026 (Supplementary Exam.)**

विषय- अर्थशास्त्र (**030**)

(प्रश्न-पत्र कोड **- 58/7/1)**

<u>सामान्य निर्देश:-</u>

1	आप जानते ही हैं कि परीक्षार्थियों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में 'मूल्यांकन' सबसे महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी गलती भी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, जिसका प्रभाव परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और शिक्षण पर पड़ सकता है। आपसे अनुरोध है कि गलतियों से बचने के लिए मूल्यांकन शुरू करने से पहले 'मूल्यांकन दिशा-निर्देशों' को ध्यान से **अवश्य** पढ़ें, समझें और मूल्यांकन करते समय उनका पालन **अवश्य** करें।
2	"मूल्यांकन एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसे सार्वजनिक करने से परीक्षा-प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकती है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट में छापना आदि बोर्ड और आईपीसी के विभिन्न नियमों के अंतर्गत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है।"
3	मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। इसे किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंक-योजना का सख्ती से पूरी तरह पालन किया जाना चाहिए। मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं, उनका सत्यता एवं प्रासंगिकता के आधार पर मूल्यांकन किया जाए। योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और उचित अभिव्यक्ति पर उचित अंक दें।
4	अंक-योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझावात्मक बिंदु दिए गए हैं। ये केवल दिशा-निर्देश हैं।
5	प्रधान परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा मूल्यांकित पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं का पुनरावलोकन अवश्य करना चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि मूल्यांकन में कोई भिन्नता है तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे दूर किया जाना चाहिए। मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर पुस्तिकाएँ यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएँ।
6	मूल्यांकनकर्त्ता उत्तर सही होने पर सही (✓) का निशान लगाएँ, गलत उत्तर के लिए क्रॉस (**X**) का निशान लगाएँ। मूल्यांकन करते समय सही (✓) का निशान नहीं लगाने पर भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है और यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया।
7	यदि किसी प्रश्न में उपभाग हैं तो प्रत्येक उपभाग के लिए दाईं ओर बिना घेरा लगाए अंक दें। प्रश्न के विभिन्न उपभागों पर दिए गए अंकों को जोड़कर बाएं हाथ के हाशिए में प्रश्न संख्या के समीप लिखकर घेरा लगाएँ। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
8	यदि किसी प्रश्न में कोई उपभाग नहीं है तो बाईं ओर हाशिये में प्रश्न संख्या के समीप अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाया जाना चाहिए।

9	यदि किसी परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न का उत्तर लिखा है तो अधिक अंक पाने वाले प्रश्न के उत्तर को ही स्वीकार किया जाना चाहिए तथा अन्य उत्तर पर 'अतिरिक्त प्रश्न' लिखकर काट दिया जाना चाहिए।
10	वर्तनी सम्बन्धी एक ही अशुद्धि के लिए बार-बार अंक न काटा जाए।
11	अंकों के पूरे पैमाने 0 से 80 अंक का उपयोग किया जाए। यथोचित उत्तर पर पूरे अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्यसमय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण दिशा-निर्देशों में दिया गया है)। यह पाठ्यक्रम में कमी तथा प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की गलतियाँ न करें:- ● उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उपभाग को बिना मूल्यांकन के छोड़ देना ● किसी उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना ● उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग ● उत्तर पुस्तिका के अंदर के पृष्ठों से मुखपृष्ठ पर अंकों का गलत अंकन ● मुखपृष्ठ पर प्रश्न के अनुसार अंकों का गलत योग ● मुखपृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का गलत योग ● गलत कुल योग ● शब्दों और अंकों में लिखे कुल योग का समान न होना ● उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंकतालिका में अंकों का गलत अंकन ● उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया जाना लेकिन अंक न दिया जाना ● उत्तर का आधा या एक हिस्सा सही और बाकी को गलत चिह्नित करना लेकिन कोई अंक न देना
14	उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के समय यदि उत्तर पूर्णतः गलत पाया जाए तो उस पर क्रॉस (X) का निशान लगाकर शून्य (0) अंक दिया जाना चाहिए।
15	मूल्यांकन न किया गया कोई भी भाग, मुखपृष्ठ पर अंकन न होना या बाद में प्रकट हुई कोई भी त्रुटि मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाएगी इसलिए सभी संबंधितों की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाना चाहिए।
16	परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले मूल्यांकन के लिए दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए।
17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंक मुखपृष्ठ पर अंकित किए गए हैं, अंकों का सही योग किया गया है तथा कुल योग को मुखपृष्ठ और लिखे गए अंतिम पृष्ठ पर अंकों और शब्दों में सही लिखा गया है।
18	परीक्षार्थी निर्धारित प्रोसेसिंग फीस का भुगतान करके अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त प्रधान परीक्षकों/प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन प्रत्येक उत्तर के लिए अंकयोजना में दिए गए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया गया है।

अंकन योजना हिन्दी माध्यम
सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा (पूरक), जुलाई 2026
अर्थशास्त्र (विषय कोड – 030)
[प्रश्न-पत्र कोड : 58/7/1]

अधिकतम अंक : 80

प्र.सं	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक
	खण्ड - क **समष्टि अर्थशास्त्र**	
1.	दिए गए चित्र के संदर्भ में आय के किस स्तर पर औसत बचत प्रवृत्ति (APS) का मान शून्य होगा ? (सही विकल्प का चयन कीजिए) 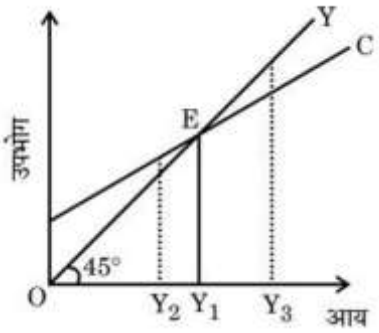 विकल्प : (A) स्तर O पर (B) स्तर OY_1 पर (C) स्तर OY_2 पर (D) स्तर OY_3 पर **उत्तर : (B) स्तर OY_1 पर**	**1**
	*नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों** के लिए प्रश्न संख्या **1** के स्थान पर है।* आय के सम-स्तर (break-even level) पर, उपभोग फलन की ढलान _____ के बराबर होगी। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) औसत बचत प्रवृत्ति (APS) (B) औसत उपभोग प्रवृत्ति (APC) (C) सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) (D) सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) **उत्तर: (D) सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC)**	**1**
2.	पहचान कीजिए कि निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प आय विधि द्वारा राष्ट्रीय आय का आकलन करते हुए सम्मिलित होगा। (सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) आकस्मिक लाभ (B) पूँजीगत हानि (C) मिश्रित आय (D) हस्तांतरण आय **उत्तर: (C) मिश्रित आय**	**1**
3.	"अनिल ने ₹ 30 लाख की लागत से एक मकान का क्रय किया। इसके लिए उसने बैंक से ऋण प्राप्त किया, जिसका भुगतान 25 वर्षों की निश्चित मासिक किश्तों में करने के लिए वह सहमत हुआ।" उपर्युक्त स्थिति में मुद्रा के कार्य की पहचान कीजिए। (सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) विनिमय का माध्यम (B) स्थगित भुगतान का मानक (C) विनिमय का माध्यम तथा स्थगित भुगतान का मानक (D) मूल्य का भंडार **उत्तर: (C) विनिमय का माध्यम तथा स्थगित भुगतान का मानक**	**1**
4.	भारत के भुगतान संतुलन (BoP) के पूँजी खाते में दर्ज किए जाने वाले लेनदेन की पहचान कीजिए : (सही विकल्प का चयन कीजिए) (i) भारतीय निवासियों द्वारा दुबई में संपत्तियों का क्रय (ii) अंतर्राष्ट्रीय बैंकों से भारतीय फर्मों को प्राप्त ऋण (iii) विदेशों में कार्यरत भारतीयों द्वारा प्रेषण (iv) भारत सरकार द्वारा IMF को बकाया ऋणों का भुगतान **विकल्प** :	

	(A) (i) और (iii) (B) केवल (iii) (C) (ii) और (iii) (D) (i), (ii) और (iv) **उत्तर: (D) (i), (ii) और (iv)**	**1**
5.	अयान एक परिवहन कम्पनी का मालिक है तथा वर्ष 2024 - 25 में उसने सभी वाहनों की मरम्मत पर ₹30,000 व्यय किए। भारत की राष्ट्रीय आय का आकलन करते समय इसे _____ व्यय के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) मध्यवर्ती (B) उपभोग (C) निवेश (D) अंतिम **उत्तर: (A) मध्यवर्ती**	**1**
6.	कीन्स के सिद्धांत के अंतर्गत, 'संदर्भ रेखा' मूल-बिन्दु से जाती हुई सीधी रेखा है जो कि _____ का कोण बनाती है। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) 25° (B) 45° (C) 55° (D) 75° **उत्तर: (B) 45°**	**1**
7.	निम्नलिखित कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए: *कथन I :* स्टॉक चर किसी विशेष समय पर मापनीय होते हैं। *कथन II:* किसी निश्चित समयावधि में किसी भी स्टॉक चर में परिवर्तन प्रवाह चर होता है। दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए: (A) कथन I और II दोनों सत्य हैं। (B) कथन I और II दोनों असत्य हैं। (C) कथन 1 सत्य है, परन्तु कथन II असत्य है। (D) कथन I असत्य है, परन्तु कथन II सत्य है। **उत्तर: (A) कथन I और II दोनों सत्य हैं।**	**1**
8.	मान लीजिए कि भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) आरक्षित (रिज़र्व) अनुपात को 10% के बराबर रखने का निश्चय करता है। कुल सृजित जमा, प्रारंभिक जमा का _____ गुना होगी। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) ∞ (अनंत) (B) 1 (इकाई) (C) 0 (शून्य) (D) 10 (दस) **उत्तर: (D) 10 (दस)**	**1**
9.	निम्नलिखित कथनों: अभिकथन (A) और कारण (R) का अध्ययन कीजिए। नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए: *अभिकथन (A):* पूँजीगत खाता संतुलन में होता है, जब पूँजी अंतःप्रवाह पूँजी बाह्य प्रवाह के बराबर होती है। *कारण (R):* स्वायत्त पूँजीगत प्रवाह परिसम्पत्तियों में कमी तथा देनदारियों में वृद्धि को दर्शाते हैं। **विकल्प** : (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है। (B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, परंतु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है। (C) अभिकथन (A) सत्य है, परंतु कारण (R) असत्य है। (D) अभिकथन (A) असत्य है, परंतु कारण (R) सत्य है। **उत्तर: (B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, परंतु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।**	**1**
10.	"विगत कुछ समयावधि में, भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर (RR) में कटौती की है।" इस नीतिगत परिवर्तन के पीछे भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) का सबसे संभावित उद्देश्य ऋण प्राप्त करने की लागत में _____ करना तथा अर्थव्यवस्था में तरलता में _____ करना है। (रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) कमी, कमी (B) वृद्धि, वृद्धि (C) कमी, वृद्धि (D) वृद्धि, कमी **उत्तर: (C) कमी, वृद्धि**	**1**

11. (क) किसी काल्पनिक अर्थव्यवस्था के निम्नलिखित आँकड़ों द्वारा, राष्ट्रीय आय (NNP_{FC}) के मान की गणना कीजिए:

क्र. सं.	मदें	राशि (₹ करोड़ में)
(i)	स्वनियोजितों की मिश्रित आय	550
(ii)	विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय	(-) 50
(iii)	किराया	150
(iv)	स्थिर / स्थायी पूँजी का उपभोग	40
(v)	कर उपरांत लाभ	250
(vi)	मजदूरी एवं वेतन	1700
(vii)	शुद्ध अप्रत्यक्ष कर	50
(viii)	निगम कर	150
(ix)	लाभांश	50
(x)	शुद्ध निर्यात	(-) 40
(xi)	ब्याज	350
(xii)	नियोक्ता द्वारा सामाजिक सुरक्षा योगदान	80

उत्तर: राष्ट्रीय आय (NNP_{FC}) = (vi) + (xii) + (iii) + (xi) + (viii) + (v) + (i) + (ii) — **1 ½**
= 1700 + 80 + 150 + 350 + 150 + 250 + 550 + (-50) — **1**
= ₹ 3,180 करोड़ — **½**

अथवा — **3**

(ख) वैध कारणों द्वारा उल्लेखित कीजिए कि निम्नलिखित को भारत की घरेलू आय की गणना में सम्मिलित किया जाएगा या नहीं:

(i) एक फर्म द्वारा स्टेशनरी की वस्तुओं पर व्यय

उत्तर: किसी फर्म द्वारा स्टेशनरी की वस्तुओं पर किया गया व्यय घरेलू आय की गणना में सम्मिलित नहीं किया जाएगा। यह एक मध्यवर्ती उपभोग व्यय है तथा इसे सम्मिलित करने से दोहरी गणना की समस्या उत्पन्न होगी। — **1 ½**

(ii) जर्मनी में भारतीय स्टेट बैंक (SBI) की शाखा द्वारा दिए गए ऋणों पर प्राप्त ब्याज

उत्तर: जर्मनी में भारतीय स्टेट बैंक (SBI) की एक शाखा द्वारा दिए गए ऋण पर प्राप्त ब्याज को घरेलू आय के अनुमान में सम्मिलित नहीं किया जाएगा, क्योंकि यह भारत के घरेलू सीमा के बाहर उत्पन्न होने वाली आय है। — **1 ½**

3

12. "भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) नकद आरक्षित अनुपात (CRR) को चरणबद्ध तरीके से 4% से 3% तक लाने की योजना का कार्यान्वयन कर रहा है।"

दी गई जानकारी के आलोक में, साख विस्तार को प्रोत्साहित करने हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) की नीतिगत पहल के पीछे के तर्क की व्याख्या कीजिए।

उत्तर: भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) द्वारा नकद आरक्षित अनुपात (CRR) को 4% से घटाकर 3% करने से वाणिज्यिक बैंकों द्वारा रखी जाने वाली आरक्षित निधि की मात्रा में कमी आती है। इससे वाणिज्यिक बैंकों की ऋण देने की क्षमता में वृद्धि होती है, जिससे अर्थव्यवस्था में ऋण की उपलब्धता में वृद्धि होती है। परिणामस्वरूप, साख विस्तार को प्रोत्साहन मिलता है। (पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए) — **3**

13. (क) एक स्थानीय चाय विक्रेता ग्राहकों को चाय बिक्री के लिए चाय पत्ती, बर्तन, चीनी, दूध, पानी, अदरक एवं एक छोटे गैस स्टोव का उपयोग करता है।

दी गई जानकारी का उपयोग करते हुए, इन वस्तुओं को मध्यवर्ती अथवा अंतिम वस्तुओं के रूप में वर्गीकृत कीजिए। इन दोनों श्रेणियों के मध्य अंतर स्पष्ट करने का आधार स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: बर्तन, छोटा गैस स्टोव और चाय जैसी वस्तुओं को अंतिम वस्तुओं के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है, क्योंकि इन वस्तुओं का उपयोग या तो उपभोग के उद्देश्य से या निवेश के उद्देश्य से किया जाता है। — **1 ½**

हालाँकि, चाय पत्ती, चीनी, दूध, पानी और अदरक जैसी वस्तुओं को मध्यवर्ती वस्तुओं के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है, क्योंकि इन वस्तुओं का उपयोग उसी वर्ष में उत्पादन/पुनर्विक्रय के लिए किया जाता है। — **2 ½**

अथवा — **4**

(ख) "एक पैट्रोकेमिकल औद्योगिक इकाई पर भू-जल प्रदूषण, वायु गुणवत्ता में गिरावट व निकटवर्ती गाँवों के निवासियों के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालने का आरोप लगाया गया था।"

इस गतिविधि का राष्ट्र के सकल घरेलू उत्पाद व सामान्यजन के कल्याण पर संभावित प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर: पेट्रोकेमिकल औद्योगिक इकाई का उत्पादन अर्थव्यवस्था में मूल्यवर्धन के माध्यम से सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में योगदान करता है। हालाँकि, यह भू-जल प्रदूषण, वायु की गुणवत्ता में गिरावट और निकटवर्ती गाँवों में रहने वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ जैसी नकारात्मक बाह्यताएँ उत्पन्न करता है। इससे स्वास्थ्य — **4**

	देखभाल की लागत बढ़ेगी और जीवन की समग्र गुणवत्ता में कमी होगी। इसलिए, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि तो हो सकती है, परंतु लेकिन सामान्यजन के कल्याण की कीमत पर। (पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)	
14.	अमेरिकी डॉलर (US $) की तुलना में भारतीय रुपये की विनिमय दरें 5 सितम्बर, 2025 को ₹88.325 के उच्चतम स्तर एवं 2 सितम्बर, 2025 के ₹87.899 के निम्नतर स्तर में परिवर्तित होती रही हैं। विनिमय दरों की इस अस्थिरता के आलोक में, सभी अन्य कारकों को अपरिवर्तित मानते हुए, भारत के आयात व निर्यात पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव का विश्लेषण कीजिए। **उत्तर: विनिमय दर में ₹ 87.899 से बढ़कर ₹ 88.325 प्रति अमेरिकी डॉलर (US $) होना दर्शाता है कि भारतीय रूपए में (₹) मूल्यह्रास हुआ है। अन्य सभी कारकों को स्थिर मानते हुए, इससे निर्यात को प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि विदेशी खरीदारों के लिए भारतीय वस्तुएँ तुलनात्मक रूप से सस्ती हो जाएँगी।** **इसके विपरीत, आयात महँगे हो जाएँगे क्योंकि एक अमेरिकी डॉलर खरीदने के लिए भारतीय रूपए की अधिक इकाइयों की आवश्यकता होगी, जिससे आयात में कमी आएगी। अतः, भारतीय रुपये का मूल्यह्रास निर्यात को प्रोत्साहन देने तथाआयात को हतोत्साहित करने की संभावना रखता है।**	**2** **2** **4**
15.	(क) 'प्रभावी माँग' के अर्थ का उल्लेख कीजिए। **उत्तर: प्रभावी माँग समग्र माँग (AD) का वह स्तर है जिसे अर्थव्यवस्था में संबंधित समग्र पूर्ति (AS) द्वारा पूरा किया जा सकता है।** (ख) किसी अर्थव्यवस्था में, यदि प्रत्याक्षित समग्र माँग प्रत्याक्षित समग्र पूर्ति से अधिक हो, तो संतुलन बहाल करने के लिए समायोजन तंत्र की व्याख्या कीजिए। **उत्तर: यदि प्रत्याक्षित समग्र माँग (AD) प्रत्याक्षित समग्र पूर्ति (AS) से अधिक होती है, तो इसका अर्थ है कि फर्में जितना उत्पादन करने की योजना बना रही हैं, गृहस्थ और फर्में उससे अधिक उपभोग करने की योजना बना रहे हैं। इस प्रकार, उत्पादकों के पास उपलब्ध माल-सूची (Inventories) वांछित स्तर से कम हो जाएगी। परिणामस्वरूप, उत्पादक माल-सूची के वांछित स्टॉक को पुनः स्थापित करने के लिए उत्पादन में तब तक वृद्धि कर सकते हैं, जब तक कि उत्पादन का संतुलन स्तर पुनः स्थापित नहीं हो जाता।** **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	**1** **3** **4**
16. **(क)**	(i) "मान लीजिए कि किसी अर्थव्यवस्था में निवेश व्यय में हुई वृद्धि से राष्ट्रीय आय में पाँच गुना वृद्धि दर्ज की गई थी।" यदि आय में परिवर्तन ₹ 2,000 करोड़ था तो निवेश व्यय में वृद्धि की गणना कीजिए। **उत्तर: दिया गया है,** **निवेश गुणांक (k) = 5** **आय में परिवर्तन (ΔY) = ₹ 2,000 करोड़** **ΔY = 5 × निवेश में परिवर्तन (ΔI)** **2000 = 5 x ΔI** **निवेश में परिवर्तन (ΔI) = ₹ 400 करोड़** (ii) ऐसे किसी एक राजकोषीय उपाय की व्याख्या कीजिए जिसे किसी राष्ट्र की सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था में प्रचलित स्फीति अंतराल को कम करने के उद्देश्य से उठाया जा सकता है। **उत्तर: मुद्रास्फीति की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए, सरकार कर की दरों में वृद्धि कर सकती है, जिससे आम जनता के पास प्रयोज्य आय (क्रय शक्ति) कम हो सकती है। परिणामस्वरूप, इससे समग्र माँग में कमी आ सकती है, तथा स्फीति अंतराल को ठीक किया जा सकता है। (पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)** **(अन्य कोई प्रासंगिक उपाय के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)**	**1 ½** **1** **½** **3** **6**
	अथवा	
(ख)	(i) एक काल्पनिक अर्थव्यवस्था में, जब भी आय में वृद्धि होती है, तो गृहस्थों की बचत 20% से बढ़ जाती है। उनका उपभोग व्यय, जो आय के स्तर से स्वतंत्र है, ₹ 200 करोड़ है। स्वायत्त निवेश व्यय ₹100 करोड़ है। आय के संतुलन स्तर की गणना कीजिए। **उत्तर:** **दिया गया है, सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) = 0.2** **आय के स्तर से स्वतंत्र उपभोग ($\bar{C}$) = ₹ 200 करोड़** **स्वायत्त निवेश व्यय (I) = ₹ 100 करोड़** **सीमांत उपभोग प्रवृत्ति = 1 – सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS)** **= 1 – 0.2** **= 0.8** **जैसा कि हम जानते हैं कि, आय के संतुलन स्तर पर; Y = C + I** **Y = $\bar{C}$ + (MPC)Y + I** **Y = 200 + 0.8Y + 100** **Y = ₹ 1,500 करोड़**	**1** **½** **1** **½**

	(ii) केन्द्रीय बैंक ने यह घोषणा की है कि, वह खुले बाज़ार परिचालन के माध्यम से कुल ₹80,000 करोड़ मूल्य की सरकारी प्रतिभूतियों (G-Sec) की नीलामी आयोजित करेगा। उपर्युक्त दी गई सूचना के आलोक में, केन्द्रीय बैंक द्वारा इस प्रकार के मुक्त बाज़ार परिचालन का भारतीय अर्थव्यवस्था की समग्र माँग पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषण कीजिए। **उत्तर: केंद्रीय बैंक द्वारा खुले बाजार परिचालन के माध्यम से ₹ 80,000 करोड़ मूल्य की सरकारी प्रतिभूतियों (G-Sec) की प्रस्तावित नीलामी से वाणिज्यिक बैंकों के पास उपलब्ध धनराशि में कमी आएगी। परिणामस्वरूप, वाणिज्यिक बैंकों की ऋण देने की क्षमता में कमी आएगी, जिससे मुद्रा पूर्ति में कमी आएगी, जो कि अर्थव्यवस्था में समग्र माँग को कम कर देगी। (पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	**3** **6**
17.	निम्नलिखित गद्य का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए : संघीय सरकार के बजट दस्तावेज़ के अनुसार, भारत अगले वित्तीय वर्ष में खाद्य, उर्वरक एवं ग्रामीण रोज़गार योजनाओं के उपदानों पर ₹4.57 ट्रिलियन ($ 52.81 बिलियन) व्यय करेगा। संघीय सरकार ने अपने संशोधित अनुमानों के अनुसार, 31 मार्च को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष के लिए तीनों प्रकार के उपदान पर ₹4.54 ट्रिलियन का सामूहिक व्यय निर्धारित किया है। सरकार के प्रमुख ग्रामीण रोज़गार गारंटी कार्यक्रम का आबंटन को ₹860 अरब पर बरकरार रखा गया है, जबकि उर्वरकों के लिए आबंटन 2024-25 के संशोधित अनुमान ₹1.71 ट्रिलियन से मामूली रूप से घटाकर ₹1.67 ट्रिलियन कर दिया गया है। राष्ट्र ने आगामी वित्त वर्ष के लिए खाद्य उपदान का बजट ₹2.03 ट्रिलियन रखा है, जो कि चालू वित्त वर्ष के लिए ₹1.97 ट्रिलियन के संशोधित अनुमान से कुछ अधिक है। उपर्युक्त गद्य तथा अर्थशास्त्र संबंधी सामान्य ज्ञान के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (i) गद्य में इंगित सरकारी बजट के उद्देश्य की व्याख्या कीजिए। **उत्तर: उपर्युक्त गद्य में इंगित सरकारी बजट का उद्देश्य आबंटन कार्य (Allocation Function) है। खाद्य एवं उर्वरक उपदान तथा ग्रामीण रोज़गार योजनाओं के लिए पर्याप्त धनराशि आवंटित करने का सरकार का उद्देश्य आर्थिक विकास के लिए संसाधनों को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की ओर पुनर्निर्देशित करना है।** **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)** (ii) बजटीय व्यय की उस श्रेणी की पहचान कीजिए जिसमें उपदान सम्मिलित होते हैं तथा अपने उत्तर के समर्थन में कारण स्पष्ट कीजिए। **उत्तर: उपदान पर किया गया बजटीय व्यय राजस्व व्यय के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।** **उपदान पर किए गए व्यय को राजस्व व्यय के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है क्योंकि यह न तो परिसंपत्तियों का निर्माण करता है और न ही सरकार की देनदारियों को कम करता है।**	**3** **1** **2** **6**
	खंड – ख **भारतीय आर्थिक विकास**	
18.	भारतीय उत्पादकों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से जो सुरक्षा प्रदान की गई उससे उन्हें अपनी उत्पादित वस्तुओं में सुधार करने का प्रोत्साहन नहीं मिला। संदर्भित नीति की पहचान कीजिए: (सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) औद्योगिक नीति प्रस्ताव, 1948 (B) लघु उद्योग संरक्षण नीति (C) आयात प्रतिस्थापन नीति (D) लाइसेंसिंग नीति **उत्तर: (C) आयात प्रतिस्थापन नीति**	**1**
19.	एक काल्पनिक देश में, यदि श्रमिक जनसंख्या का अनुपात 30 है तथा कुल श्रमिकों की संख्या 1500 है, तो इसकी कुल जनसंख्या _____ होगी। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) 50 (B) 450 (C) 5,000 (D) 50,000 **उत्तर: (C) 5,000**	**1**
20.	निम्नलिखित कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए: *कथन I:* प्रशांता चन्द्र महालनोबिस को भारतीय नियोजन के वास्तुकार के रूप में जाना जाता है। *कथन II:* 1948 की औद्योगिक नीति प्रस्ताव को इस उद्देश्य से अपनाया गया था कि अर्थव्यवस्था में राज्य प्रमुख भूमिका निभा सके। दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए: (A) कथन I और II दोनों सत्य हैं। (B) कथन I और II दोनों असत्य हैं।	

(C) कथन I सत्य है, परन्तु कथन II असत्य है।
(D) कथन I असत्य है, परन्तु कथन II सत्य है।
उत्तर: (C) कथन I सत्य है, परन्तु कथन II असत्य है। **1**

21. हरमन डेली (एक पर्यावरण अर्थशास्त्री) के अनुसार, धारणीय विकास प्राप्त करने के लिए _____।
(रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए)
(A) मानव जनसंख्या को वहन क्षमता (Carrying capacity) के भीतर सीमित रखा जाना चाहिए
(B) तकनीकी प्रगति आगत उपभोगी होनी चाहिए
(C) नवीकरणीय संसाधनों का सतत आधार पर दोहन नहीं करना चाहिए
(D) गैर-नवीकरणीय संसाधनों की ह्रास की दर उनके प्रतिस्थापन दर से अधिक होनी चाहिए
उत्तर: (A) मानव जनसंख्या को वहन क्षमता (Carrying capacity) के भीतर सीमित रखा जाना चाहिए **1**

22. निम्नलिखित में से सही कथन की पहचान कीजिए:
(सही विकल्प का चयन कीजिए)
(A) मानव पूँजी मूर्त होती है, जबकि भौतिक पूँजी अमूर्त होती है।
(B) मानव पूँजी निर्माण और भौतिक पूँजी एक समान हैं।
(C) मानव पूँजी न केवल मालिक को, बल्कि समग्र रूप से समाज को भी लाभ पहुँचाती है।
(D) मानव पूँजी और भौतिक पूँजी के मामले में मूल्यह्रास की प्रकृति समान रहती है।
उत्तर: (C) मानव पूँजी न केवल मालिक को, बल्कि समग्र रूप से समाज को भी लाभ पहुँचाती है। **1**

23. निम्नलिखित में से जैविक कृषि की सीमा (limitation) की पहचान कीजिए:
(सही विकल्प का चयन कीजिए)
(A) स्वास्थ्यवर्धक भोजन
(B) अल्प उपभोग अवधि
(C) पर्यावरण अनुकूल
(D) अल्प उत्पादन लागत
उत्तर: (B) अल्प उपभोग अवधि **1**

24. राघव एक फैक्ट्री का मालिक है, जिसके पास 50 कर्मचारी हैं। उसने पाँच कर्मचारियों को नौकरी से निवृत्त कर दिया तथा यह देखा कि फैक्ट्री का कुल उत्पादन अपरिवर्तित रहा। इस स्थिति को संभवतः _____ रोज़गार के रूप में वर्णित किया जाएगा।
(रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए)
(A) संरचनात्मक (B) प्रच्छन्न
(C) मौसमी (D) घर्षणात्मक
उत्तर: (B) प्रच्छन्न **1**

25. शिक्षा पर भारत सरकार द्वारा किया जाने वाला व्यय _____ के प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया जाता है।
(रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए)
(i) सकल घरेलू उत्पाद
(ii) कुल सरकारी व्यय
(iii) कुल राज्य व्यय
विकल्प :
(A) (i) और (iii) (B) (i) और (ii)
(C) (ii) और (iii) (D) (i), (ii) और (iii)
उत्तर: (B) (i) और (ii) **1**

26. निम्नलिखित में से अस्थायी कर्मचारी का उदाहरण पहचानिए :
(सही विकल्प का चयन कीजिए)
(A) एक कालीन निर्यातक
(B) सरकारी अस्पताल में नियुक्त एक स्थायी नर्स
(C) निर्माण स्थल पर कार्यरत एक राजमिस्त्री (Mason)
(D) स्व-व्यवसाय चलाने वाला एक स्थानीय दर्जी
उत्तर: (C) निर्माण स्थल पर कार्यरत एक राजमिस्त्री (Mason) **1**

27. कॉलम I में दी गई मदों तथा कॉलम II में दिए गए तथ्यों के समूह में से, सही युग्म का चयन कीजिए:

	कॉलम I		*कॉलम II*
a.	ग्रेट लीप फारवर्ड	i.	छात्रों व पेशेवरों को ग्रामीण इलाकों में भेजा गया
b.	महान सर्वहारा सांस्कृतिक क्रांति	ii.	कृषि व उद्योगों में परिवर्तन लाने के उद्देश्य हेतु

c.	चीन में आर्थिक सुधार	iii.	पूँजीगत उद्योगों के राष्ट्रीयकरण उद्देश्य हेतु
d.	चीनी जनवादी गणराज्य की स्थापना	iv.	सभी महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों को सरकारी नियंत्रण में लाने हेतु

विकल्प :

(A) a-I (B) b-ii

(C) c-iii (D) d-iv

उत्तर: (D) d-iv **1**

---

28. "भारत और पाकिस्तान ने स्व-विकास पथ हेतु समान विकासात्मक रणनीतियां अपनाई थी।"

क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं? प्रासंगिक स्पष्टीकरण द्वारा अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।

उत्तर: हाँ, सहमत। भारत और पाकिस्तान द्वारा अपनाई गई समान विकास रणनीतियाँ हैं:

- **दोनों देशों ने सार्वजनिक क्षेत्र के साथ-साथ निजी क्षेत्र को शामिल करते हुए मिश्रित आर्थिक प्रणाली का मार्ग अपनाया।** **1 ½**
- **दोनों ने अपने घरेलू उद्योगों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए आयात प्रतिस्थापन नीति अपनाई।** **1 ½**

(किसी अन्य प्रासंगिक रणनीति के लिए अंक प्रदान किए जाएँ)

3

---

29. (क) "शिक्षा और स्वास्थ्य के माध्यम से मानव पूँजी का निर्माण किसी राष्ट्र के विकास की प्रक्रिया का केन्द्र बिंदु है।"

क्या आप इस कथन से सहमत हैं? वैध स्पष्टीकरण द्वारा अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।

उत्तर: हाँ सहमत। शिक्षा ज्ञान, तकनीकी कौशल और श्रम उत्पादकता को बढ़ाती है, जिससे धारणीय आर्थिक विकास और भविष्य में अधिक प्रतिफल प्राप्त होता है। स्वास्थ्य पर व्यय कुशल श्रम आपूर्ति की उपलब्धता सुनिश्चित करता है, जो लंबी अवधि तक निर्बाध श्रम आपूर्ति प्रदान करती है। इस प्रकार, मानव पूँजी निर्माण के स्रोत के रूप में शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों पर व्यय किसी देश के समग्र आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। **3**

(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)

अथवा

(ख) "भारत आर्थिक विकास की उच्च दर के लिए प्रयासरत् है, परन्तु यह प्रायः पर्यावरणीय क्षरण की कीमत पर होता है।"

उपर्युक्त कथन के आलोक में, किसी एक रणनीति पर चर्चा कीजिए जिसके द्वारा भारत आर्थिक विकास व धारणीय विकास के मध्य संतुलन प्राप्त कर सकता है।

उत्तर: भारत पारंपरिक प्रथाओं और ज्ञान को प्रोत्साहन देने वाली रणनीतियों को अपनाकर आर्थिक विकास और धारणीय विकास के बीच संतुलन प्राप्त कर सकता है। भारत के पास आयुर्वेद, यूनानी, हर्बल उत्पादों और प्राकृतिक खेती जैसी धारणीय प्रणालियों की समृद्ध विरासत है, जो स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों पर निर्भर करती हैं तथा पर्यावरण को न्यूनतम हानि पहुँचाती हैं। इन पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों के उपयोग करने से प्रदूषण कम होता है, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता है तथा भावी पीढ़ियों की आवश्यकताओं से समझौता किए बिना आर्थिक विकास को समर्थन मिलता है। **3**

(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)

(अन्य कोई प्रासंगिक रणनीति के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)

---

30. "उच्च उत्पादकता ने चीन में आर्थिक चमत्कार किया था। 1979-94 के दौरान चीनी उत्पादकता 3.9% की वार्षिक दर से वृद्धि हुई, जबकि 1953-78 के दौरान यह दर 1.1% थी। 1990 के दशक के प्रारंभ तक, उत्पादन वृद्धि 50% से अधिक हो गई थी। उत्पादकता में इतनी तीव्र वृद्धि उल्लेखनीय है।"

दिए गए गद्य के प्रकाश में और अर्थशास्त्र संबंधी सामान्य ज्ञान के आधार पर, 1979-94 के दौरान चीन में उत्पादकता में इस वृद्धि के पीछे सबसे संभावित कारणों पर चर्चा कीजिए।

उत्तर: 1979-94 के दौरान चीन की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि मुख्य रूप से आर्थिक सुधारों की शुरुआत के कारण हुई। प्रारंभ में, कृषि, विदेशी व्यापार और निवेश में सुधारों ने किसानों को व्यक्तिगत भूखंडों पर खेती करने और करों का भुगतान करने के बाद अतिरिक्त आय को अपने पास रखने की अनुमति दी, जिससे दक्षता और उत्पादन में वृद्धि हुई। तत्पश्चात, औद्योगिक सुधारों ने निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित किया और सरकारी उद्यमों के लिए प्रतिस्पर्धा की आरंभ की, जिससे उच्च उत्पादकता, नवाचार और तीव्र आर्थिक विकास हुआ। **4**

(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)

---

31. (क) भारत में 1991 की व्यापार एवं निवेश नीति सुधारों के मुख्य उद्देश्यों एवं प्रभावों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर: 1991 की व्यापार और निवेश नीति सुधारों का मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता में बढ़ाकर, विदेशी निवेश और प्रौद्योगिकी को आकर्षित करके तथा आधुनिकीकरण के माध्यम से औद्योगिक दक्षता को बढ़ावा देकर अर्थव्यवस्था को उदार बनाना था। इन सुधारों ने औषधि, इंजीनियरिंग वस्तुओं, आईटी सेवाओं, वस्त्रों और ऑटो पार्ट्स के क्षेत्र में निर्यात को प्रोत्साहन दिया तथा बढ़ती कीमतों को भी नियंत्रण में रखा गया। हालाँकि, बढ़े हुए आयातों ने घरेलू उद्योगों के लिए प्रतिस्पर्धा को तीव्र कर दिया। **4**

(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)

(अन्य कोई प्रासंगिक व्याख्या के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)

अथवा

(ख)	"भारत में भूमि सीमा निर्धारण कानूनों के प्रवर्तन को कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसने उनकी सफलता को सीमित कर दिया।" क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में उचित स्पष्टीकरण दीजिए। **उत्तर: हाँ सहमत। भूमि सीमा निर्धारण कानूनों के** कार्यान्वयन **में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कई पूर्व जमींदारों ने किरायेदारों को बेदखल करके और स्वयं को स्व-कृषक होने का दावा करके बड़े भू-स्वामित्व को बनाए रखने के लिए कानूनी खामियों का फायदा उठाया। उन्होंने न्यायालयों में कानूनों को चुनौती देकर इनके कार्यान्वयन में देरी की और भूमि को अपने करीबी रिश्तेदारों के नाम पर हस्तांतरित कर दिया। परिणामस्वरूप, भूमि सीमा सुधारों के सफल कार्यान्वयन में कई बाधाएँ उत्पन्न हुईं। (पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	**4**
32.	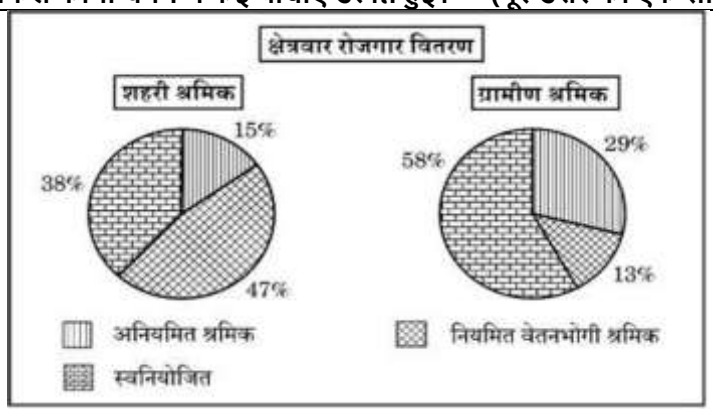 उपर्युक्त चित्र के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (क) ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में कुल कार्यबल में किस श्रेणी के श्रमिकों का अनुपात अधिक है? **उत्तर: ग्रामीण क्षेत्रों में स्व-नियोजित श्रेणी (58%) और शहरी क्षेत्रों में नियमित वेतनभोगी श्रमिक (47%) कुल कार्यबल के सबसे बड़े अनुपात में हैं।**	**1**
	(ख) इस रूपरेखा (Pattern) के पीछे के किन्हीं दो कारणों की व्याख्या कीजिए। **उत्तर: इस रूपरेखा (Pattern) के पीछे दो कारण हैं:** • **ग्रामीण क्षेत्रों में स्व-नियोजित श्रमिकों का हिस्सा अधिक है क्योंकि कृषि पर निर्भर अधिकांश लोगों के पास भूमि के अपने भूखंड हैं और वे स्वतंत्र रूप से कृषि करते हैं।** • **ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में उद्यमों की संख्या बहुत अधिक है। इन उद्यमों को नियमित आधार पर श्रमिकों की आवश्यकता होती है। इसलिए, अपेक्षाकृत अधिक अनुपात में श्रमिक नियमित वेतनभोगी कर्मचारियों के रूप में कार्यरत होते हैं।** **(अन्य कोई प्रासंगिक कारण के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)**	**1 ½** **1 ½** **4**
	नोट : *निम्नलिखित प्रश्न केवल **दृष्टिबाधित परिक्षार्थियों** के लिए प्रश्न संख्या **32** के स्थान पर है।* निम्नलिखित श्रेणियों के संबंध में ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में श्रमिकों के वितरण की रूपरेखा (Pattern) के पीछे के किन्हीं दो कारणों की व्याख्या कीजिए: (क) स्वनियोजित (ख) नियमित वेतनभोगी श्रमिक **उत्तर: ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में श्रमिकों के वितरण की रूपरेखा (Pattern) के पीछे दो कारण हैं:** **(क) ग्रामीण क्षेत्रों में स्व-नियोजित श्रमिकों की भागीदारी अधिक है क्योंकि कृषि पर निर्भर अधिकांश लोगों के पास भूमि के अपने भूखंड हैं तथा वे स्वतंत्र रूप से कृषि करते हैं।** **(ख) शहरी क्षेत्रों में नियमित वेतनभोगी श्रमिकों का कुल कार्यबल में सबसे बड़ा अनुपात है। ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में उद्यमों की संख्या बहुत अधिक है। इन उद्यमों को नियमित आधार पर श्रमिकों की आवश्यकता होती है। इसलिए, अपेक्षाकृत अधिक अनुपात में श्रमिक नियमित वेतनभोगी कर्मचारियों के रूप में कार्यरत होते हैं।** **(अन्य कोई प्रासंगिक कारण के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)**	**2** **2** **4**
33. (क)	(i) जैसा कि विनिवेश आयोग ने पाया है कि "एक दीर्घकालिक विनिवेश रणनीति का सार न केवल बजटीय प्राप्तियों में वृद्धि होना चाहिए, बल्कि लाभहीन इकाइयों के लिए बजटीय समर्थन को कम करना भी होना चाहिए। इसके साथ-साथ ऐसी इकाईयों की दीर्घकालिक व्यवहार्यता व उनमें रोजगार के स्थायी स्तर को सुनिश्चित करना भी होना चाहिए।" (I) पहचान कीजिए कि उपर्युक्त गद्य में किस क्षेत्र के विनिवेश का उल्लेख किया गया है। **उत्तर: उपर्युक्त कथन में सार्वजनिक क्षेत्र का उल्लेख किया गया है।**	**1**
	(II) भारत सरकार द्वारा इस विनिवेश रणनीति का औचित्य सिद्ध कीजिए। **उत्तर: भारत सरकार द्वारा विनिवेश रणनीति को घाटा में चलने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSUs) का निजीकरण करके राजकोषीय बोझ को कम करने के लिए अपनाया गया था। इसका उद्देश्य दक्षता, वित्तीय**	**2**

	अनुशासन और आधुनिकीकरण में सुधार करना भी था। इस रणनीति ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की दीर्घकालिक व्यवहार्यता सुनिश्चित की तथा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) को अधिक आकर्षित किया। (ii) "औपनिवेशिक भारत में कृषि में स्थिरता न केवल उत्पादन की पिछड़ी तकनीकों के उपयोग के कारण थी, बल्कि अंग्रेज़ों द्वारा अपनाई गई शोषणकारी भू-व्यवस्था प्रणालियों व नीतियों का भी परिणाम थी।" वैध तर्कों द्वारा इस कथन का समर्थन अथवा खंडन कीजिए। **उत्तर: दिए गए कथन का समर्थन किया जाता है। औपनिवेशिक भारत में कृषि की स्थिरता केवल पिछड़ी हुई उत्पादन तकनीकों के उपयोग, सिंचाई सुविधाओं की कमी व निम्न स्तर की प्रद्योगिकी के कारण हुआ बल्कि जमींदारी प्रथा जैसी शोषणकारी भू - व्यवस्थाओं के कारण भी हुआ। इस व्यवस्था के अंतर्गत जमींदार कृषकों की आर्थिक परिस्थितियों की परवाह किए बिना लगान वसूल करते थे, जिससे उनकी कठिनाइयाँ और बढ़ गई थीं।** **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	3
	अथवा	6
(ख)	(i) "1950 के दशक में, अत्यधिक सरकारी नियमन ने उद्यमशीलता के विकास को बाधित किया।" क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में वैध स्पष्टीकरण दीजिए। **उत्तर: हाँ। परमिट-लाइसेंस राज के अंतर्गत अत्यधिक सरकारी विनियमन ने उद्यमिता के विकास को बाधित किया। औद्योगिक लाइसेंसिंग ने फर्मों के विस्तार को सीमित किया, जबकि आयात प्रतिबंधों ने प्रतिस्पर्धा और नवाचार को कम कर दिया। परिणामस्वरूप, उत्पादकों के पास दक्षता में वृद्धि करने, गुणवत्ता में सुधार करने या आधुनिक तकनीक अपनाने के लिए बहुत कम प्रोत्साहन था, जिसके फलस्वरूप, औद्योगिक विकास में बाधा उत्पन्न हुई।** **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	3
	(ii) "सुधार काल में कर कटौती से कर राजस्व में वृद्धि नहीं हुई है।" दिए गए कथन की वैध स्पष्टीकरण के साथ पुष्टि कीजिए। **उत्तर: सुधार अवधि के दौरान, अधिक राजस्व प्राप्त करने और कर चोरी पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से कर की दरों को कम किया गया था। यद्यपि, इससे सरकार के कर राजस्व में वृद्धि नहीं हुई। इसके अतिरिक्त, प्रशुल्कों में कमी और विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने से संबंधित सुधार नीतियों ने कर राजस्व बढ़ाने की संभावनाओं को कम कर दिया, जिसका विकासात्मक और कल्याणकारी व्ययों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।** **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	3
	(अन्य कोई प्रासंगिक व्याख्या के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)	6
34.	निम्नलिखित गद्य का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए: भारत का पुष्प उत्पादन उद्योग, एक उच्च प्रदर्शन वाले क्षेत्र के रूप में विकसित हुआ है, जिसने 100% निर्यात उन्मुखता के साथ "उदयमान उद्योग" का दर्जा प्राप्त किया है। पुष्पों की बढ़ती वैश्विक माँग से प्रेरित होकर, पुष्प उत्पादन कृषि क्षेत्र के अंतर्गत एक प्रमुख व्यावसायिक उद्यम के रूप में विकसित हुआ है। व्यावसायिक पुष्प उत्पादन विशेष रूप से लाभदायक है, जो कई पारंपरिक फसलों की तुलना में प्रति इकाई अधिक प्रतिफल प्रदान करती है। अनाज, दलहन, सब्ज़ियाँ व तिलहन की तुलना में पुष्पों के उत्पादन में अधिक लाभार्जन देखा गया है। उपदान के समर्थन तथा फसल ऋण वित्तपोषण की सहायता से यह सीमांत एवं लघु जोत वाले कृषकों के लिए आशाजनक उद्यम है, जो कुल भूमि जोतों के 96% से अधिक तथा पुष्प उत्पादन के अंतर्गत कृषि क्षेत्र के 63% का गठन करते हैं।) वित्त वर्ष 2024 में, लगातार 297 हजार हैक्टेयर भूमि पुष्प उत्पादन के लिए समर्पित थी। इसी अवधि में, भारत ने 19,678 मीट्रिक टन पुष्प उत्पादों का निर्यात किया, जिससे ₹ 717.83 करोड़ (USD 86.63 million) की आय हुई। प्रमुख निर्यात गन्तव्यों में संयुक्त राज्य अमेरिका, नीदरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा एवं मलेशिया सम्मिलित थे। उपर्युक्त गद्य व अर्थशास्त्र संबंधी सामान्य ज्ञान के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (i) कृषकों को स्थायी आजीविका प्रदान करने में पुष्प उत्पादन की आवश्यकता क्यों है ? **उत्तर: पुष्प उत्पादन कृषकों को एक स्थाई आजीविका प्रदान करती है क्योंकि यह अनाज, दलहन, तिलहन व सब्जियों जैसी फसलों की तुलना में प्रति इकाई क्षेत्र से अधिक प्रतिफल प्रदान करती है। पुष्पों की बढ़ती वैश्विक माँग और भारत के 100% निर्यात-उन्मुख पुष्प उत्पादन उद्योग के कारण यह एक अत्यधिक लाभदायक वाणिज्यिक उद्यम के रूप में उभरा है, जिससे कृषकों के लिए बेहतर आय और रोजगार के अवसर उत्पन्न हुए हैं।** **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	3
	(ii) ऐसे किन्हीं दो तरीकों की व्याख्या कीजिए, जिनसे सरकार छोटे एवं सीमांत कृषकों की सहायता कर सकती है। **उत्तर: सरकार छोटे और सीमांत किसानों को निम्नलिखित तरीकों से सहायता प्रदान कर सकती है:** • **कृषि लागत को कम करने तथा पुष्प उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए उपदान/सहायिकी प्रदान करके।** • **कृषकों को उत्पादन में निवेश करने और अपनी खेती का विस्तार करने हेतु सस्ती दरों पर फसल ऋण की सुविधा प्रदान करके सहायता करना।** **(अन्य कोई प्रासंगिक व्याख्या के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)**	1 ½ 1 ½
		6

* * *